समाचार पत्र

द रुरल कनेक्ट

खंड 01 अंक 01 जुलाई 2021 www.mgncre.org

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

"छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों को मनोसामाजिक सहायता प्रदान करना महत्वपूर्ण है .... शैक्षिक संस्थानों को छात्रों को वर्तमान स्वास्थ्य संकट से निपटने में मदद करने की आवश्यकता है "...

श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने उच्चतर शिक्षण संस्थानों से छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सलाह सुनिश्चित करने और सुझाव देने का आग्रह किया। शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों को मनोसामाजिक सहायता प्रदान करने के लिए **"मनोदर्पण"** नामक एक पहल भी शुरू की है। परामर्श के साथ इन पहलों का उद्देश्य छात्रों को अकादमिक - संबंधी तनाव, आत्म - देखभाल और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से निपटने में मदद करना है। इन कोविड समय के दौरान, माता-पिता को अपने किशोर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है।

शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों से शारीरिक गतिविधि और स्वस्थ आहार को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया क्योंकि वे इस कोविड-19 महामारी के दौरान तनाव के प्रभावों को कम करने और रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अलग-अलग अवसरों पर,
श्री पोखरियाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के कार्यान्वयन के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की है। पूरे भारत के हितधारकों को शामिल करते हुए बड़े पैमाने पर आभासी परामर्श किया गया। सूचनाओं के प्रसार के लिए सोशल मीडिया का व्यापक उपयोग किया गया।

अकादमिक क्रेडिट बैंक की स्थापना के लिए विनियमों को मंजूरी दे दी गई है और अधिसूचित होने की प्रक्रिया में है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संबोधित करते हुए,
श्री पोखरियाल ने छात्रों से पौधे लगाने में मदद करने का आह्वान किया। **एक छात्र एक वृक्ष** अभियान की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा, "यह अभियान केवल एक गतिविधि नहीं है
बल्कि छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के मूल्य और लोकाचार को आत्मसात करने में मदद करने का एक प्रयास है।"

एम.जी.एन.सी.आर.ई. की समीक्षा जून 2021

- एच.ई.आई. में क्षमता निर्माण के लिए 2 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए
- 36220 छात्र उन्मुख और "बीट कोविड" त्वरित प्रतिक्रिया छात्र स्वयंसेवी टीमों में लगे हुए हैं
- देश के 373 जिलों में 1357 आपदा मोचन दल गठित
- 988 उच्चतर शिक्षण संस्थान शामिल हैं
- 6789 छात्र स्वयंसेवक / 3972 संकाय शामिल
- 487 सामुदायिक व्यस्तता कार्यशालाएं आयोजित
- अनिवार्य कार्यशालाएं और संकाय विकास कार्यक्रमों के लिए प्रारंभिक कार्य - उपयोगकर्ता के अनुकूल मानक संचालन प्रक्रिया (एस.ओ.पी.) / सामुदायिक जुड़ाव/ अनुभवात्मक शिक्षा/ ग्रामीण प्रबंधन/ कार्य अनुसंधान परियोजनाएं/ वीडियो रिकॉर्डिंग/ पी.एच.डी. फैलोशिप/ इंटर्नशिप पर निर्दिष्ट वितरण के साथ मैनुअल
- उच्चतर शिक्षा संस्थानों में मनोसामाजिक देखभाल और स्वयंसेवी प्रबंधन पर मैनुअल - स्थानीय भाषा में भी विकसित और उपयोग किया गया
- यू.बी.ए. - तेलंगाना के लिए आर.सी.आई. एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा आयोजित कोविड प्रबंधन पर पोस्टर प्रस्तुति और वीडियो मेकिंग पर प्रतियोगिताएं (11 जिले)

इन कोविड समय के दौरान सामुदायिक व्यस्तता के माध्यम से उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में मनोसामाजिक समर्थन के संदेश को फैलाने के लिए राज्य एन.सी.सी. इकाइयों के साथ मिलकर काम कर रहा है। *"मनोसामाजिक समर्थन सहायक कौशल बहुत आवश्यक हैं और इन कौशल वाले लोगों से जुड़ना अब मोबाइल और संचार सहायता के साथ संभव है। परामर्श के सिद्धांत सुनने के कौशल पर आधारित हैं। सलाह सुनने और देने से बचने से सेवार्थी को मदद मिलती है। सम्मान, नम्रता और गैर-पूर्वाग्रही होना सहायक का आधार होता है। यह कार्यक्रम बड़े पैमाने पर समुदाय की सेवा करने का अवसर प्रदान करता है",* ***कर्नल रामानुज सिंह, कमांडिंग ऑफिसर,*** *1 (टी) गर्ल्स बी.एन. एन.सी.सी., सिकंदराबाद ग्रुप ए.पी. एंड टी. डी.टी.ई. ने मनोसामाजिक समर्थन सेवा सहायक कौशल पर प्रशिक्षण सत्र में साझा किया। "एन.सी.सी. ए.एन.ओ., कैडेट और छात्र मनोसामाजिक समर्थन और सहायक कौशल के माध्यम से तेलंगाना राज्य के गांवों और शहरों में लोगों तक पहुंच सकते हैं। "मोबाइल पर दैनिक आधार पर लोगों तक पहुंचना महत्वपूर्ण है। हमने इस कार्यक्रम में एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है। हम एक संगठित तरीके से समुदाय की सेवा करेंगे और घटना प्रतिक्रिया टीम बनाएंगे।" उन्होंने कहा कि समय पर दी जाने वाली सेवा गतिविधियां महामारी में प्रभावशाली काम लाती हैं।*

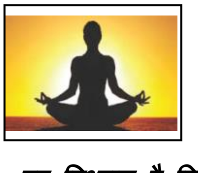

21 जून को 7वें **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** के अवसर पर श्री पोखरियाल ने योग की समग्र प्रकृति पर जोर देते हुए कहा कि यह शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखता है। ***"मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह तनाव को कम करने के लिए एक प्रभावी उपकरण है"*** उन्होंने कहा।

संपादक की टिप्पणी

विश्व पर्यावरण दिवस अपने साथ हमारे ग्रह की पारिस्थितिकी के संरक्षण और रक्षण के लिए नए उत्साह और प्रेरणा लेकर आता है। दुनिया भर में दस लाख पेड़ लगाने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय का **'एक छात्र एक पेड़ अभियान'** विभिन्न पहलुओं से पर्यावरण को होने वाले खतरे के बारे में जागरूकता फैलाता है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने उच्चतर शिक्षण संस्थानों से इस दिन गतिविधियों का संचालन करने और पर्यावरण मित्रता का संदेश फैलाने का आहवान किया है। उ.शि.सं. ने अपनी गतिविधियों का दस्तावेजीकरण किया है और हमारे साथ साझा किया है। इससे संतोष की अपार अनुभूति होती है कि पर्यावरण में योगदान के लिए छात्रों को प्रेरित करने में हमारे प्रयासों का फल मिला है।

उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ सामुदायिक व्यस्तता एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अधिदेश का हिस्सा है। वर्तमान महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए और छात्रों को शारीरिक और भावनात्मक सहायता प्रदान करने के लिए मनोसामाजिक कौशल और प्रशिक्षण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, परिषद ने स्वच्छता के पहलुओं के साथ कार्यशालाओं का आयोजन किया। छात्र स्वयंसेवकों को स्वच्छता, सफ़ाई और स्वास्थ्य-रक्षा प्रथाओं के बारे में जागरूक किया गया और साथ ही कोविड प्रभावित रोगियों और उनके परिवारों और दोस्तों को परामर्श प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। यह छात्रों के साथ जुड़ने के दोहरे लक्ष्य के रूप में काम करता है और उन्हें समय की आवश्यकता के अनुसार एक सामाजिक और नेक काम के लिए भी काम करता है।

हमने छात्र स्वयंसेवकों के लिए मनोसामाजिक सहायता मार्गदर्शन पर कार्यशाला आयोजित करने के लिए उच्च शैक्षणिक संस्थानों का मार्गदर्शन करने के लिए संसाधन व्यक्तियों के लिए 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की है। हमने अपनी आंतरिक प्रशिक्षण सामग्री और संसाधन विकसित किए और अपनी टीम के सदस्यों को प्रेरित किया।

नतीजतन, 36220 छात्र उन्मुख थे और 988 उच्चतर शिक्षण संस्थानों से देश के 373 जिलों से संबंधित 1357 **बीट कोविड** त्वरित प्रतिक्रिया छात्र स्वयंसेवी टीमों में लगे हुए थे। 6789 छात्र स्वयंसेवक और 3972 संकाय ने इस प्रयास में कामयाबी हासिल की है। इसके लिए माह के दौरान 487 सामुदायिक व्यस्तता कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

उच्चतर शिक्षण संस्थानों में और उनके माध्यम से स्वच्छता को बढ़ावा देने के हिस्से के रूप में उच्चतर शिक्षण संस्थानों के छात्र स्वयंसेवकों को मनोसामाजिक सहायता मार्गदर्शन प्रदान करना, जो कि एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा लागू की जा रही स्वच्छता कार्य योजना का अभिन्न अंग है। वर्तमान महामारी के परिदृश्य में एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने राष्ट्रीय संकट की दिशा में लचीला कदम उठाया और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए अपना योगदान दिया। मानसिक भलाई (मनोदर्पण) के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने मनोसामाजिक परामर्श और कोविड 19 स्वयंसेवी कौशल के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने पर संस्थागत कार्यशालाएं आयोजित कीं। आपदा मोचन टीमों का गठन किया गया।

हमने चालू वर्ष के लिए अपनी गतिविधियों के लिए आक्रामक आधार तैयार किया है। इस वर्ष की कार्य योजना में शामिल हैं - ग्रामीण उच्चतर शिक्षा को बढ़ावा देना; पाठ्यक्रम परिवर्द्धन; ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का विकास (नई तालीम शिक्षक शिक्षा सहित); क्षमता निर्माण (कार्यशालाएं/ संकाय विकास कार्यक्रम); कार्य परियोजना कार्यशालाओं का आयोजन; ग्रामीण तल्लीनता प्रशिक्षण कार्यक्रम; संस्थागत कार्यशालाएं; इंटर्नशिप; पी.एच.डी. फैलोशिप; बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पर पाठ्यपुस्तक और दृश्य-श्रव्य संसाधन सामग्री का विकास; अनिवार्य प्रकाशन। हमने निर्दिष्ट प्रदेय के साथ संहिताबद्ध, व्यवस्थित और परिणाम उन्मुख स्वरूपों में उपयोगकर्ता के अनुकूल मानक संचालन प्रक्रियाओं (एस.ओ.पी.) / मैनुअल के विकास को चालू किया है। सरलीकृत हैंडबुक चीजों को 'कैसे' करने पर ध्यान केंद्रित करती है। नियमावली राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के अनुरूप है।

हमने उच्चतर शिक्षा संस्थानों में मनोसामाजिक देखभाल और स्वयंसेवी प्रबंधन पर एक उपयोगकर्ता के अनुकूल मैनुअल भी विकसित किया है जिसका अनुवाद और स्थानीय भाषा में भी उपयोग किया गया है।

हम इन मैनुअल को कार्यक्रमों के संचालन के लिए महान उपकरण बनाने के लिए तत्पर हैं जो संसाधन व्यक्तियों की बहुत सहायता करेंगे और वांछित परिणाम सामने लाएंगे।

डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

पर्यावरण के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करने और बनाए रखने के उद्देश्य से हर वर्ष 5 जून को दुनिया भर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। **'एक छात्र एक वृक्ष अभियान'** की थीम ने वास्तव में शैक्षणिक संस्थानों द्वारा पर्यावरण का सम्मान करने के लिए बहुत सारे प्रयास किए हैं। केवल स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के साथ ही हम लोगों की आजीविका को बढ़ा सकते हैं, जलवायु परिवर्तन का प्रतिकार कर सकते हैं और जैव विविधता के पतन को रोक सकते हैं। कोविड-19 के उद्भव ने यह भी दिखाया है कि पारिस्थितिकी तंत्र के नुकसान के परिणाम कितने विनाशकारी हो सकते हैं। जानवरों के लिए प्राकृतिक आवास के क्षेत्र को कम करके, हमने रोगजनकों के लिए आदर्श परिस्थितियों का निर्माण किया है - कोरोना वायरस सहित - फैलने के लिए।

2021 विश्व पर्यावरण दिवस सबसे कठिन समय में मनाया जा रहा है जब भारत कोविड -19 की दूसरी वेव से जूझ रहा है। पानी और हवा लगातार प्रदूषित हो रहे हैं और वनों का क्षरण जारी है।

सामुदायिक व्यस्तता का एम.जी.एन.सी.आर.ई. का जनादेश अच्छी तरह से ट्रैक पर है। मनोवैज्ञानिक परामर्श और कोविड 19 स्वयंसेवी कौशल के लिए मार्गदर्शन पर कार्यशालाएं समय की आवश्यकता हैं और परिषद ने इस संबंध में व्यापक कार्य किया है। इस महामारी के समय में, मानसिक स्वास्थ्य समाज के सभी वर्गों के लिए महत्वपूर्ण है, और मंत्रालय छात्रों के भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए प्रतिबद्ध है।

मनोवैज्ञानिक समर्थन संकट और पीड़ा को और अधिक गंभीर रूप में विकसित होने से रोक सकता है; लोगों को बेहतर तरीके से सामना करने और रोजमर्रा की जिंदगी में सामंजस्य बिठाने में मदद करें; और लोगों को अपना सामान्य जीवन फिर से शुरू करने में मदद करें।

कार्यशालाओं और संकाय विकास कार्यक्रमों के संचालन के लिए विकसित की जा रही नियमावली आगामी महीनों के लिए प्रभावी संचालन की दिशा में कदम हैं। ये मार्गदर्शक उपकरण हैं जो चीजों को करने के 'कैसे' पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

1. कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस (के.आई.एस.एस.), डीम्ड विश्वविद्यालय, ओडिशा
2. मल्ला रेड्डी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, हैदराबाद, तेलंगाना

सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके ग्रामीण प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपसी संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

विश्व पर्यावरण दिवस

5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के आह्वान पर उच्चतर शिक्षण संस्थानों में गतिविधियों का आयोजन किया गया। गतिविधियों की कुछ झलक -

पंडलम **भूमित्र** (जैव विविधता क्लब) ने केंद्रीय राज्य वन सेवा अकादमी (सी.ए.एस.एफ.ओ.एस.), देहरादून के सहयोग से 22 मई से 5 जून तक 'जैव विविधता संरक्षण और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' पर दो सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया। यह संस्थान के साथ एम.जी.एन.सी.आर.ई. के सामुदायिक व्यस्तता संघ के हिस्से के रूप में था। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के कोयंबटूर के वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान (आई.एफ.जी.टी.बी.) के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक (एफ.) डॉ. कन्नन सी. वारियर द्वारा 'पवित्र उपवनों का संरक्षण' विषय पर प्रस्तुति दी गई। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार और पर्यावरण सूचना प्रणाली (ई.एन.वी.आई.एस.) समन्वयक और संपर्क अधिकारी, नोडल अधिकारी, वी.वी.के. और के.वी.के. केरल और हरित कौशल विकास कार्यक्रम, आनुवंशिकी और वृक्ष सुधार प्रभाग। भारत में और केरल में देखे गए पवित्र पेड़ों पर एक विस्तृत और निदर्शी प्रस्तुति पर चर्चा की गई, जिसमें जैव विविधता के निर्वाह के लिए उनकी असंख्य सेवाओं को उचित सम्मान और चिंता देते हुए उनके संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया। श्री अभिलाष डी., आई.एफ.एस. (संकाय, सी.ए.एस.एफ.ओ.एस.) ने समारोह की शोभा बढ़ाई।

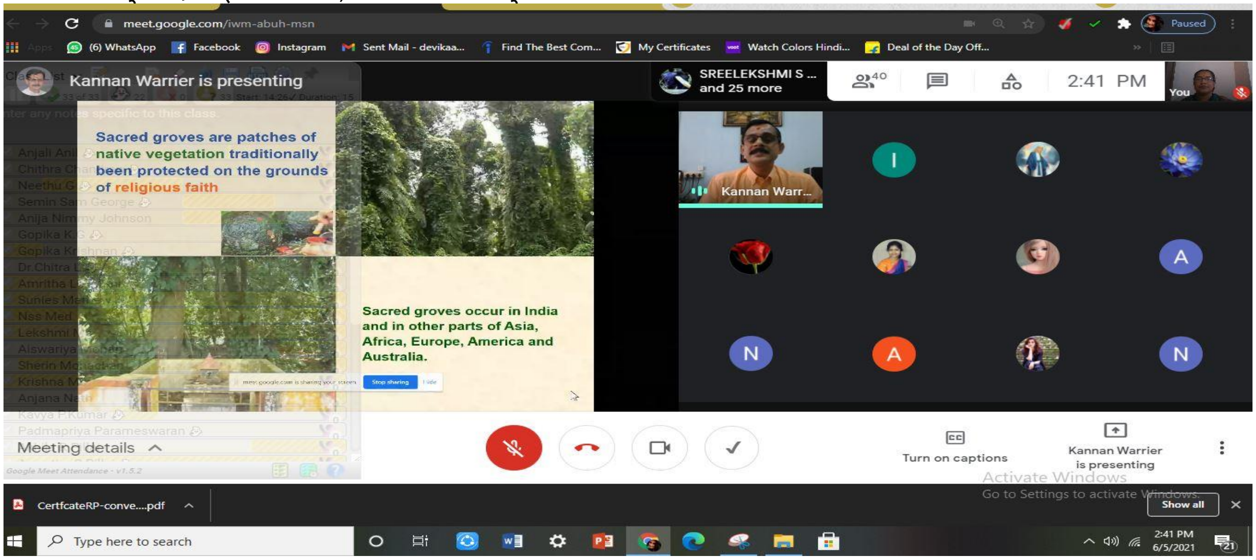

बिरला विश्वकर्मा महाविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, आणंद, गुजरात ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। 'माई कैम्पस क्लीन कैम्पस' ने "कोपिंग विद द क्लाइमेट चेंज" विषय पर वेबिनार का आयोजन किया। एर. प्रशांत खानखोजे, सलाहकार, स्वतंत्र बिजली उत्पादक भारतीय संघ और पुणे के अक्षय ऊर्जा के विशेषज्ञ वक्ता थे। परिसर में पर्यावरण और परिसर को हरा-भरा रखने के लिए पूरे जोश और ऊर्जा के साथ वृक्षारोपण किया गया। प्रधान अध्यापक डॉ. इंद्रजीत पटेल ने स्टाफ और छात्रों को संबोधित किया और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं और इस दिन को मनाने का आह्वान करने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. को धन्यवाद दिया।

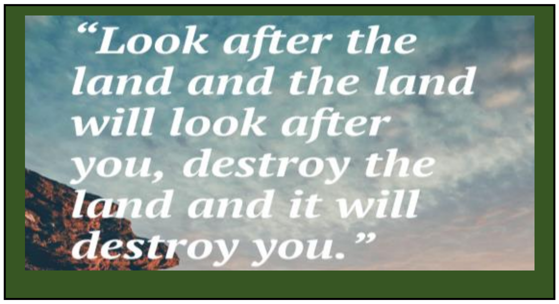

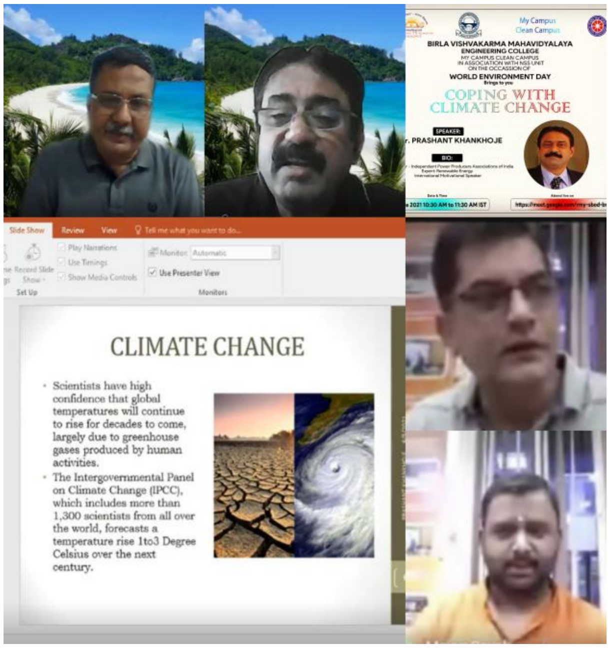

मधुबेन और भानुभाई पटेल प्रौद्योगिकी संस्थान (एम.बी.आई.टी.), आणंद गुजरात, सी.वी.एम. विश्वविद्यालय के संविधान संस्थान, आई.ई.ई.ई. के तहत आई.ई.ई.ई. पावर एंड एनर्जी सोसाइटी ने 5 जून, 2021 को पिक्सेल कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें 22 प्रतिभागी थे। जैव विविधता पर फोटोग्राफी, लघु फिल्म और डिजिटल पोस्टर मेकिंग और 'सेव युवर मदर: द एर्थ' विषय पर एक प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह स्वच्छता और सामुदायिक व्यस्तता गतिविधियों के हिस्से के रूप में विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के आह्वान के यह प्रतिक्रिया में था।

विजेताएं

श्री विद्यानिकेतन इंजीनियरिंग कॉलेज तिरुपति आंध्र प्रदेश ने 5 जून को छात्रों और कर्मचारियों के लिए उक्त विषय पर जागरूकता पैदा करने के लिए "पर्यावरण स्थिरता" पर एक ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। डॉ. हेमाद्री प्रसाद राजू, एसोसिएट प्रोफेसर / सिविल इंजीनियरिंग विभाग, सामाजिक उद्यमिता के संयोजक, स्वच्छता और ग्रामीण व्यस्तता प्रकोष्ठ (एस.ई.एस.आर.ई.सी.), श्री विद्यानिकेतन इंजीनियरिंग कॉलेज ने स्वागत भाषण के साथ बैठक शुरू की। एस.ई.एस.आर.ई. सेल का गठन पहले एम.जी.एन.सी.आर.ई. की स्वच्छता कार्य योजना के परिणाम के रूप में किया गया था, जो संबंधित स्वच्छता गतिविधियों को अंजाम देता है। प्रधान अध्यापक डॉ. बी.एम. सतीश ने उद्घाटन भाषण दिया और पर्यावरण की स्थिरता को बहुत ही स्पष्ट तरीके से समझाया। डॉ. एम.एम. केसवुलु, एसोसिएट प्रोफेसर, बी.एस. एंड एच., सदस्य, एस.ई.एस.आर.ई. सेल ने कार्यक्रम के वक्ता का परिचय डॉ. अनिल जोसेफ, सी.ई.सी.ओ.एन..एस. (पी.) लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, जियो स्ट्रक्चरल (पी.) लिमिटेड के निदेशक और इंजीनियर्स डायग्नोस्टिक सेंटर (पी.) लिमिटेड, कोचीन, केरल के निदेशक से किया। डॉ. जोसेफ ने वर्तमान में जिन पर्यावरणीय मुद्दों का सामना कर रहे हैं और हमारे पर्यावरण की सुरक्षा के महत्व के परिचय के साथ **रीइमेजिन, रीक्रिएट और रिस्टोर** पर बात की है।

WEBINAR on ENVIRONMENTAL SUSTAINABILITY

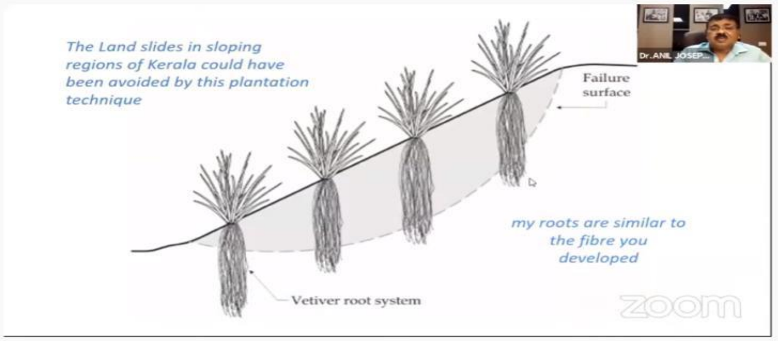

WEBINAR on ENVIRONMENTAL SUSTAINABILITY

के.एस. रंगासामी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी तिरुचेंगोडे, नमक्कल, तमिलनाडु - विश्व पर्यावरण दिवस वस्तुतः एन.जी.ओ. वेरगल, इरोड के सहयोग से के.एस.. रंगासामी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, तिरुचेंगोडे में ग्रीन इंडिया मूवमेंट पहल के रूप में मनाया गया। वक्ता डॉ.के.रमेश, सीनियर मैनेजर, प्रोसेस इंजीनियरिंग, आर. एंड डी., तमिलनाडु वाटर इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, तिरुपुर ने पानी के उपयोग और भविष्य के लिए बचत पर इसके महत्व पर जोर दिया। डॉ. बिजिनविन राज, जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सक, सचिव, वेरगल ने इस महामारी के दौरान समाज सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। जनता को वृक्षारोपण और सीड बॉल आपूर्ति जैसी गतिविधियाँ की गईं। पर्यावरण की रक्षा के लिए छात्रों में रुचि जगाने के अलावा, मेमे थीम, स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता, फोटोग्राफी, वीडियो मेकिंग, कैलीग्राफी और ड्राइंग और कविता लेखन जैसी ऑनलाइन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। संस्थान के साथ एम.जी.एन.सी.आर.ई. का सामुदायिक व्यस्तता के हिस्से के रूप में महत्वपूर्ण कार्यक्रम का जश्न मनाने का आधार था।

विजेता-सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफ

विजेता-सर्वश्रेष्ठ पोस्टर

सेंट एन्स सी.ओ.ई. की छात्रा सुश्री हरिप्रिया द्वारा मनोसामाजिक समर्थन के हिस्से के रूप में कोविड प्रभावित व्यक्ति द्वारा किए गए पेपर क्राफ्ट लेख।

विश्व पर्यावरण दिवस पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली डाइट-ओडनछत्रम, डिंडीगुल जिला तमिलनाडु

एमराल्ड डिग्री एंड पी.जी. कॉलेज, कोडंदरामपुरम, तिरुपति आंध्र प्रदेश द्वारा पर्यावरण दिवस समारोह के हिस्से के रूप में स्वच्छता गतिविधियां

मर्सी कॉलेज, पलक्कड़ ने पौधारोपण कर हरित क्रांति आंदोलन को प्रोत्साहित कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया।

सामुदायिक व्यस्तता "हर एक तक पहुँचें"

एम.जी.एन.सी.आर.ई. स्वच्छता को बढ़ावा देने के हिस्से के रूप में उच्चतर शिक्षण संस्थानों के छात्र स्वयंसेवकों को मनोसामाजिक सहायता मार्गदर्शन प्रदान करने पर एक 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जो कि एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा कार्यान्वित की जा रही स्वच्छता कार्य योजना का अभिन्न अंग है। वर्तमान महामारी परिदृश्य में एम.जी.एन.सी.आर.ई. राष्ट्रीय संकट की दिशा में लचीला कदम उठाया और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए अपना योगदान दिया।

मानसिक भलाई (मनोदर्पण) के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप, एम.जी.एन.सी.आर.ई. मनोसामाजिक परामर्श और कोविड 19 स्वयंसेवी कौशल के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने पर संस्थागत कार्यशालाओं का आयोजन किया। प्रयासों के परिणाम के रूप में आपदा प्रतिक्रिया टीमों का गठन किया गया था। एम.जी.एन.सी.आर.ई. 487 सामुदायिक व्यस्तता कार्यशाला आयोजित करने में संसाधन व्यक्तियों ने 988 उच्चतर शिक्षा संस्थानों का मार्गदर्शन किया।

कुल कार्यशालाएं	कुल शामिल संस्थान	समर्थित जिलों की संख्या	कुल छात्र स्वयंसेवक	कुल संकाय उन्मुख	कुल छात्र उन्मुख
487	988	373	6789	3972	36220

उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ 20 दिनों की सामुदायिक व्यस्तता गतिविधि के परिणाम निम्नलिखित हैं:

- *विभिन्न उच्चतर शिक्षण संस्थानों के बीच आपदा प्रतिक्रिया टीमों का गठन और जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित करना।*
- *लोगों को जागरूक करने के लिए घर-घर जाकर स्वास्थ्य जागरूकता शिविर, ग्राम सर्वेक्षण करना। को-विन ऐप, उन्हें टीकाकरण के लिए पंजीकरण करने में मदद करता है।*
- *ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया और ग्रामीण क्षेत्रों में महामारी के दौरान योग के महत्व पर जागरूकता फैलाई।*
- *कोविड प्रभावित परिवारों के लिए लोगों को सब्जियां, किराने का सामान, मेडिकल किट का वितरण किया।*

शरीर के तापमान की जांच की और जरूरतमंद लोगों को मास्क और सैनिटाइज़र बांटे।

- *ऑक्सीजन सिलेंडर, अस्पताल के बिस्तर और अन्य चिकित्सा आपूर्ति की उपलब्धता के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए हेल्पलाइन नंबर स्थापित करना।*
- *कई उच्चतर शिक्षण संस्थानों ने संबंधित जिला स्तरीय सरकारी प्रशासन और मुख्यमंत्री राहत कोष में पैसा दान किया।*
- *कुछ स्वयंसेवकों ने क्वारंटाइन के बाद कोविड रोगियों को घर पर क्लोरीनेट करके भी समर्थन दिया।*
- *हेल्प डेस्क के माध्यम से कोविड प्रभावित परिवारों को मनोसामाजिक और भावनात्मक सहायता प्रदान करना। चिंता में कमी, श्वास तकनीक, तनाव प्रबंधन और अवसाद पर काबू पाने की तकनीकों पर ऑनलाइन सत्र।*

एम.जी.एन.सी.आर.ई. – उ.शि.सं. सामुदायिक व्यस्तता कार्यक्रम - झलक

सेंट एन्स सी.ओ.ई. सिकंदराबाद के एम.एड. प्रथम सेमेस्टर के छात्र मेगा वैक्सीन ड्राइव में स्वेच्छा से भाग ले रहे हैं

डाइट पुदुक्कोटई के संकाय सदस्य प्रो. एम. मरियप्पन और डॉ. वी. नारायणन, जो 26 जून को महामारी की स्थिति में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कामराजपुरम पुदुक्कोट्टई में स्वयंसेवकों के काम में शामिल थे। एक चिकित्सा शिविर को मध्य विद्यालय, थाईला नगर, पुदुक्कोट्टई में स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने परिवहन रसद में मदद की। 25 लोगों ने अपने रिकॉर्ड के अनुसार 25 जून को कोविड टीकाकरण लिया।

जया कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस चेन्नई: 23 एम.जी.एन.सी.आर.ई.-उ.शि.सं. स्वयंसेवकों ने ऑक्सीजन आपूर्ति, खाद्य आपूर्ति, एम्बुलेंस सेवाएं, मास्क वितरण, पालतू जानवरों की देखभाल, जागरूकता कार्यक्रम और संकाय सदस्यों के नेतृत्व में मनोसामाजिक परामर्श के सत्यापित स्रोतों के प्रावधान के क्षेत्रों में काम किया।

एस.के.पी.डी. एंड चैरिटीज के प्रबंधन के तहत श्री कन्यका परमेश्वरी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज फॉर विमेन ने 10 मई से 10 जून तक कोविड रोगियों के लिए वासवी अन्न प्रसादम केंद्र शुरू किया। 200 से अधिक परिवारों ने इस अन्न प्रसादम का उपयोग किया और व्हाट्सएप और सोशल मीडिया के माध्यम से महामारी की स्थिति के दौरान लाभान्वित हुए।

एम.एल.एस.यू., उदयपुर से संबद्ध श्री तेजेंद्र प्रसाद टी.टी. कॉलेज, आबू रोड, राजस्थान ने एक रैली, नुक्कड़ नाटक, स्लोगन और पोस्टर बनाने और मानक प्रोटोकॉल पर जागरूकता सहित कोविड -19 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

विद्यासागर कॉलेज ऑफ एजुकेशन फांसिदेव दार्जिलिंग पश्चिम बंगाल सेवा की स्वरूप: गैर-अस्पताल प्रबंधन सहायता।

स्थान: फांसिदेवा, छात्रों की संख्या: 50, लाभार्थियों की संख्या: 150, छात्र स्वयंसेवक दो शिक्षकों के साथ एक सुनसान गांव में गए। स्वयंसेवकों ने प्रत्येक राशन किट में आलू, प्याज, दाल, चावल, तेल और बिस्कुट के पैकेट वाले लगभग 200 राशन किट पैक किए। जिन्हें उचित सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए वितरित किया गया।

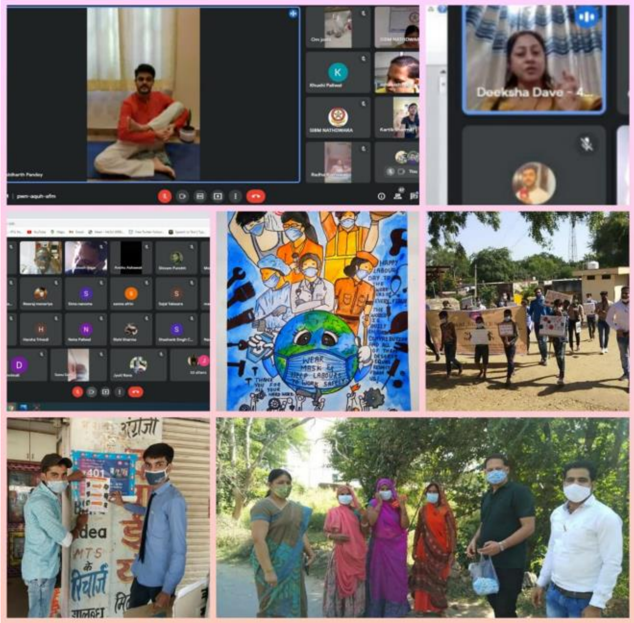

श्रीनाथजी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, नाथद्वारा, राजस्थान के संकाय और छात्रों ने स्थानीय समुदाय के कल्याण के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जिसमें रैली के माध्यम से मास्क पहनने पर जागरूकता अभियान, पोस्टर मेकिंग और डोर टू डोर इंटरेक्शन के माध्यम से कोरोना जागरूकता कार्यक्रम, पर्यावरण दिवस पर वेबिनार आयोजित किया गया। संस्थान के प्रबंधन ने नाथद्वारा और खमनौर अस्पतालों को बिस्तर

दान किए, डॉ. दीप्ति भार्गव, प्राचार्य के नेतृत्व में स्थानीय अस्पतालों में ई.सी.जी. मशीनों और कंप्यूटरों का भी योगदान दिया।

नि: शुल्क ऑनलाइन प्राणायाम कार्यशाला

प्रबंधन विभाग, एम.ई.टी. कॉलेज ऑफ एडवांस स्टडीज माला ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. के साथ संयुक्त रूप से 11 जून से 30 जून तक "फेफड़ों को मजबूत करने के लिए श्वास व्यायाम" पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम के संसाधन व्यक्ति श्री बैजू वर्गीस निदेशक आत्मा योग अकादमी सहृदय कल्याण सेवा एर्नाकुलम थे। कार्यशाला में देश-विदेश के प्रतिभागियों ने भाग लिया। झारखंड राज्य के चतरा जिले के चेतना भारती गुरुकुल के लगभग 60 छात्रों ने एक ही डिवाइस से लॉग इन करके कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिभागियों को पूरे 20 दिन या उनकी सुविधा के दिनों में भाग लेने का विकल्प दिया गया था। कार्यशाला ने प्रतिभागियों को विभिन्न श्वास अभ्यासों को सीखने, अभ्यास करने और समझने के लिए एक मंच प्रदान किया जो इस महामारी के दौरान फेफड़ों को मजबूत कर सकते हैं।

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अलवर, राजस्थान के संकाय और छात्रों ने घर-घर जाकर स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, टीकाकरण के महत्व, टीकाकरण अभियान के समन्वय और सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से योग, ध्यान शिविर आयोजित करके आसपास के गांवों में विभिन्न सामुदायिक व्यस्तता गतिविधियों का आयोजन किया।

कोऑपरेटिव आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, मडाई, कन्नूर जिला केरल
ने कोविड रोगियों और उनके परिवारों को हेल्प डेस्क के माध्यम से, मास्क और सैनिटाइज़र वितरित करने, सोशल मीडिया के माध्यम से साझा करने के लिए पोस्टर और बैनर बनाने, एकत्र करने और उनके परिवारों को मनोसामाजिक सहायता प्रदान की। एम.जी.एन.सी.आर.ई. की 20 दिनों की सामुदायिक सहभागिता पहल के हिस्से के रूप में टीकाकरण शिविरों से संबंधित जानकारी साझा करना, भोजन वितरण, चिकित्सा आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी प्रदान करना, संगरोध के बाद कोविड रोगियों के घरों में क्लोरीनीकरण करना।

उत्तरी इंजीनियरिंग तकनीकी परिसर, अलवर, राजस्थान के संकाय और छात्रों ने विभिन्न सामुदायिक व्यस्तता गतिविधियों का आयोजन किया, जिसमें कोविड के उचित व्यवहार पर घर-घर जागरूकता, आस-पास के गांवों में टीकाकरण अभियान का समन्वय और योग, ध्यान और श्वास अभ्यास पर अभ्यास सत्र आयोजित करना जीने की कला के समर्थन से शामिल है। उन्होंने सोशल मीडिया अभियान के माध्यम से ऑक्सीजन सिलेंडर, अस्पताल के बिस्तर, चिकित्सा आपूर्ति की उपलब्धता की जानकारी प्रदान की है। इसके अलावा संस्थान ने गांव के अन्य स्थानों को सेनेटाइज किया। छात्रों और संकाय सदस्यों ने 50 दिवसीय स्ट्रीक गतिविधि का आयोजन किया जिसमें पक्षियों के लिए उनके घर की छत पर पानी और भोजन की सुविधा प्रदान की गई। संस्थान ने पौधों के महत्व को समझने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए और 551 पौधे दान किए।

एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज जयपुर राजस्थान द्वारा महामारी के समय सामुदायिक व्यस्तता गतिविधियों के हिस्से के रूप में भोजन वितरित किया जा रहा है "जब पूरी दुनिया कोविड -19 महामारी के खिलाफ लड़ने के लिए एकजुट हो गई है, उच्चतर शिक्षा, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है" प्रो. के.बी.शर्मा, प्राचार्य ने कहा।

ए.वी.एस. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, तमिलनाडु ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. की सामुदायिक व्यस्तता पहल के हिस्से के रूप में स्थानीय समुदाय में 500 से अधिक सड़क किनारे बुजुर्गों को भोजन वितरित किया

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने निम्नलिखित टीमों के माध्यम से उच्चतर शिक्षण संस्थानों की सामुदायिक व्यस्तता गतिविधियों का समन्वय किया

- **टीम 1:** अस्पताल प्रबंधन टीम - टीकाकरण केंद्रों पर आई.सी.यू., अस्पताल के बिस्तर, वेंटिलेटर, कोविड वैक्सीन, भीड़ प्रबंधन की उपलब्धता के बारे में जानकारी साझा करना।
- **टीम 2:** गैर अस्पताल प्रबंधन दल - गैर सरकारी संगठन, कोविड हेल्पलाइन नंबर और खाद्य वितरण द्वारा प्रदान की गई जानकारी और सेवाओं को कोविड रोगियों/ कोविड प्रभावित परिवारों को साझा करना।
- **टीम 3:** परिवार सहायता टीम - कोविड प्रभावित परिवारों को घर की आवश्यक वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता प्रदान करना, बुजुर्ग लोगों या कोविड प्रभावित रोगियों के बच्चों के लिए देखभाल करने वालों की जानकारी साझा करना।
- **टीम 4:** चिकित्सा आपूर्ति टीम - टेली-मेडिसिन आपूर्तिकर्ताओं, ऑनलाइन डॉक्टर परामर्श आदि के बारे में जानकारी साझा करके घर में अलग-थलग पड़े मरीजों को सहायता प्रदान करना।
- **टीम 5:** मनोसामाजिक सहायता टीम - कोविड प्रभावित रोगियों और उनके परिवारों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करना।---- उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ सामुदायिक व्यस्तता पर संस्थागत कार्यशालाएं।

आप जो सुधार दुनियाँ में देखना चाहते हो, आप खुद उस सुधार का हिस्सा होना चाहिए

- महात्मा गांधी

इरोड आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज (स्वायत्त), तमिलनाडु के स्वयंसेवकों ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. के सामुदायिक व्यस्तता कार्यक्रम के हिस्से के रूप में इरोड सिटी नगर निगम के सहयोग से सड़क किनारे बुजुर्गों को भोजन वितरित किया, मास्क और सैनिटाइज़र वितरित किए, स्थानीय समुदाय में शरीर के तापमान की जाँच की।

कुछ और ----

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
(पूर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद)
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाग, हैदराबाद, तेलंगाना - 500004
दूरभाष: 040-23212120, 23422105, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in , वेबसाइट: www.mgncre.org
संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया .वी, संपादक
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एम.जी.एन.सी.आर.ई.) की ओर से डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित और मुद्रित

(टेम्प: आर.एन.आई. टाइटिल कोड TELENG00794) मूल्य: रु.5/-